

होना; पान खिलाना- वर कन्या के विवाह-संबंध में उभय पक्ष का वचनबद्ध होना, मंगनी या सगाई करना; पान देना- किसी साहसपूर्ण काम के लिए हमी भरवाना (स्वीकार करा लेना, बीड़ा देना, पान पत्ता- पान-सुपारी आदि-पत्र, पुष्प, ताश के पत्तों के चार भेदों में से एक जिसमें पत्ते पर लाल बूटियाँ पान के आकार की बनी रहती हैं।

पानक पुं. (तत्.) पना, क्रिया विशेष द्वारा तैयार किया गया खट्टा तरल पदार्थ जो पीने के काम आता है। पके आम, इमली, नींबू के रस या गूदे को पानी में चीनी, नमक आदि के साथ घोलकर तैयार किया गया पेय, पन्ना।

पानकी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का पांडु रोग जिसमें हाथ पैरों पर सूजन के साथ शरीर में ज्वर रहता है।

पानगोष्ठी स्त्री. (तत्.) मद्यपान के लिए तत्पर मंडली या जन-समूह, पान-सभा, शराब या सुरा-पान की मजलिस या मंडली, (कॉकटेल पार्टी)।

पानड़ी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की पत्ती जो प्रायः मीठे पेय पदार्थों तथा तेल-उबटन आदि में सुगंध के लिए छोड़ी जाती है।

पानडुब्बा पुं. (देश.) 1. पानी में गोता लगाने वाला, गोताखोर 2. काले रंग का एक प्रसिद्ध पक्षी जो जलाशय में गोता लगाकर मछलियाँ पकड़ता है 3. मुरगाबी 4. जलाशयों में रहने वाला एक कल्पित भूत।

पानदान पुं. (देश.+फा.) 1. पनडब्बा, वह डिब्बा जिसमें पान और उसके लगाने की सामग्री रखी जाती है 2. वह डिबिया जिसमें पान के बीड़े अर्थात् लगे हुए पान रखे जाते हैं, गिलौरीदान, खासदान मुहा. पानदान का खर्च- वह रकम जो पान और दूसरी निजी आवश्यकताओं के लिए रखी जाए या दी जाए; छोटा खर्च।

पानदोष पुं. (तत्.) मद्यपान का व्यसन, शराबखोरी की लत।

पानन पुं. (देश.) 1. मझोले कद का एक प्रकार का पेड़ जो हिमालय की तराई और उत्तरी भारत के प्रांतों में होता है, इसकी पत्तियाँ शीतकाल में

झड़ जाया करती हैं और लकड़ी पकने पर लाल रंग की चिकनी, भारी और टिकाऊ होती है इससे सजावट की चीजें, गाड़ी आदि बनाते हैं, इसका गोंद दवा के काम आता है 2. सांदन नामक मझोले आकार का वृक्ष जिसकी लकड़ी से सजावट का सामान बनाते हैं।

पाननाशन पुं. (तद्.) 1. वह जो पाप का नाश करे, पापनाशी 2. वह कर्म जिससे पाप का नाश हो, प्रायश्चित 3. पापनाश का भाव या क्रिया, पाप का नाश होना या करना।

पानप पुं. (तत्.) मद्यप, शराबी, पियक्कड़।

पानपात्र पुं. (तत्.) 1. वह पात्र जिसमें मद्यपान करते हैं 2. पीने का पात्र, गिलास आदि।

पान भाजन पुं. (तत्.) दे. पानपात्र।

पानभूमि स्त्री. (तत्.) शराब पीने की जगह; (जिस स्थान पर शराबी एकत्रित होकर शराब पीते हैं)।

पानमत्त वि. (तत्.) 1. नशे में चूर, मतवाला, मत्त।

पानस पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में कटहल से बनाई जाने वाली एक तरह की शराब (पनस अर्थात् कटहल) 2. कटहल से संबंध रखने वाला पदार्थ या पेय।

पानही स्त्री. (देश.) जूता, (विशेषतः चमड़े का)।

पाना स.क्रि. (तद्.) 1. प्राप्त या उपलब्ध करना, अपने पास या अधिकार में करना; हासिल करना 2. किए गए काम का अच्छा-बुरा परिणाम भोगना 3. किसी को दी गई वस्तु या खोई हुई चीज का फिर से वापिस मिलना 4. तह तक पहुँचना, समझना, जानकारी होना 5. अनुभव करना, भोगना जैसे- दुख-सुख पाना 6. समर्थ होना, कर सकना 7. भोजन करना जैसे, 'भोजन पा लिया', प्रसाद पाया 8. पास तक पहुँचना 9. किसी बात में किसी के बराबर पहुँचना या होना।

पानागार पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ बहुत से लोग मिलकर शराब पीते हैं।

पानात्यय पुं. (तत्.) अधिक शराब पीने (मद्यपान) से होने वाला एक प्रकार का रोग जिसमें सिरदर्द, कँपकँपी, मूर्च्छा तथा दाह होता है।